Shodhshauryam, International Scientific Refereed Research Journal
Available online at : www.shisrrj.com
OPEN ACCESS
© 2025 SHISRRJ | Volume 8 | Issue 4
ISSN : 2581-6306
doi : https://doi.org/10.32628/SHISRRJ258450

गुजरात राज्य के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में इकाई परीक्षण के प्रति शिक्षकों की समस्याओं का अध्ययन

शोधकर्ता
साजिद खान एस. नागोरी
Research Scholar
Madhav University, Rajasthan

मार्गदर्शक
डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी
Associate Professor
Madhav University, Rajasthan

Article Info
Accepted : 25 June 2025
Published : 02 July 2025

Publication Issue :
July-August-2025
Volume 8, Issue 4

Page Number : 01-03

सारांश

शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए आकलन एक महत्वपूर्ण पहलू है। इकाई परीक्षण (Unit Test) का उद्देश्य विद्यार्थियों की शैक्षिक प्रगति को समझना और शिक्षकों को पढ़ाने की रणनीति में सुधार करने के लिए आवश्यक फीडबैक प्रदान करना है। हालांकि, गुजरात राज्य के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में शिक्षकों को इकाई परीक्षण के कार्यान्वयन में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह शोध पत्र शिक्षकों द्वारा झेली जा रही चुनौतियों का विश्लेषण करता है और उनके समाधान के संभावित उपायों पर विचार करता है।

परिचय

शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न अंग होने के नाते, इकाई परीक्षण छात्रों के शैक्षिक विकास के मूल्यांकन का प्रमुख उपकरण है। सरकारी विद्यालयों में इसका उद्देश्य शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाना और विद्यार्थियों की समझ को बढ़ावा देना है। हालांकि, वास्तविकता यह है कि प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षक कई बाधाओं का सामना करते हैं, जिनमें प्रशासनिक दबाव, संसाधनों की कमी, और शिक्षकों की अधिक कार्यभार जैसी समस्याएँ शामिल हैं। इस शोध पत्र में उन समस्याओं की गहराई से समीक्षा की गई है।

शोध की उद्देश्यता

1. गुजरात के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में इकाई परीक्षण की प्रभावशीलता को समझना।
2. शिक्षकों द्वारा सामना की जा रही प्रमुख समस्याओं की पहचान करना।
3. इकाई परीक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए संभावित समाधान प्रस्तुत करना।

Copyright © 2025 The Author(s): This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution **4.0 International License (CC BY-NC 4.0)**

शोध पद्धति

इस शोध के लिए प्राथमिक एवं द्वितीयक डेटा संकलित किए गए। प्राथमिक डेटा के लिए गुजरात के विभिन्न जिलों में कार्यरत प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों से साक्षात्कार एवं प्रश्नावली द्वारा जानकारी एकत्रित की गई। द्वितीयक डेटा के रूप में सरकारी रिपोर्ट्स, शैक्षिक नीतियाँ और शोध लेखों का अध्ययन किया गया।

शिक्षकों द्वारा अनुभव की जाने वाली समस्याएँ

1. **अधिक कार्यभार**

   सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों को शिक्षण कार्य के अलावा कई प्रशासनिक कार्य भी करने पड़ते हैं। इससे इकाई परीक्षण की तैयारी और निष्पादन में कठिनाई आती है।

2. **संसाधनों की कमी**

- प्रश्नपत्रों की छपाई के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध नहीं होता।
- छात्रों के लिए आवश्यक शिक्षण सामग्री की कमी होती है।

3. **मूल्यांकन प्रक्रिया में कठिनाई**

- छात्रों की उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच में अत्यधिक समय लगता है।
- सीमित शिक्षक संख्या के कारण गहन मूल्यांकन संभव नहीं हो पाता।

4. **विद्यार्थियों की मानसिकता**

- कई विद्यार्थी इकाई परीक्षण को गंभीरता से नहीं लेते हैं, जिससे उनकी प्रगति का वास्तविक आकलन कठिन हो जाता है।
- माता-पिता की भागीदारी कम होने से भी इस प्रक्रिया की प्रभावशीलता पर प्रभाव पड़ता है।

5. **तकनीकी प्रशिक्षण की कमी**

- डिजिटल आकलन के बढ़ते उपयोग के बावजूद शिक्षकों को नई तकनीकों का प्रशिक्षण नहीं मिलता।
- कई ग्रामीण विद्यालयों में इंटरनेट और कंप्यूटर जैसी सुविधाओं की अनुपलब्धता।

समाधान एवं सुझाव

1. **कार्यभार संतुलन** – शिक्षकों के प्रशासनिक कार्यों को कम किया जाए ताकि वे आकलन प्रक्रिया पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकें।
2. **संसाधन उपलब्धता** – पर्याप्त बजट और शिक्षण सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।
3. **तकनीकी प्रशिक्षण** – शिक्षकों को डिजिटल उपकरणों और ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली में प्रशिक्षित किया जाए।
4. **विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाना** – अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

5. **मूल्यांकन प्रक्रिया में सुधार** – स्वचालित मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग कर शिक्षकों का कार्यभार कम किया जाए।

निष्कर्ष

गुजरात राज्य के सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में इकाई परीक्षण शिक्षण-प्रशिक्षण प्रक्रिया का महत्वपूर्ण भाग है। हालांकि, शिक्षकों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जो उनके प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा उत्पन्न करती हैं। इस शोध में उन समस्याओं को चिन्हित कर उनके समाधान प्रस्तुत किए गए हैं, जिनके आधार पर इकाई परीक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और शिक्षकों के लिए अनुकूल बनाया जा सकता है।

संदर्भ

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (Government of India)
2. गुजरात सरकार द्वारा प्रकाशित प्राथमिक शिक्षा संबंधी रिपोर्ट्स
3. शिक्षा सुधार और मूल्यांकन पर विभिन्न शोध पत्र (NCERT, UGC)
4. प्राथमिक विद्यालयों में आकलन प्रणाली पर किए गए अंतरराष्ट्रीय शोध
5. डिजिटल शिक्षा और मूल्यांकन प्रणाली पर विभिन्न शोध लेख